परिचय (Introduction)

इस विचित्र संसार में अनेक आश्चर्यजनक अजूबे भरे पडे हैं। उन्हीं में से एक अजूबा है मांसाहारी पौधे । आपने कभी यह सुना है कि पौधे भी मांसाहारी होते हैं ? तो यह आपने सत्य ही सुना है। कुछ पौधे मांसाहारी (Insectivorous) भी होते हैं और कीडे–मकोडे को अपना शिकार बनाते हैं, व उनसे अपना भोजन प्राप्त करते हैं। मांसाहारी पौधों की खोज सर्वप्रथम 1875 में हुई । चार्ल्स डार्बिन ने इन पौधों के बारे में लिखा हैं – " कुछ पौधों में न केवल छोटे जीवों को पकडने की क्षमता है, बल्कि उन्हे पचाकर उनमें मौजूद पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता भी है"। यह बात उन्होने सौ साल से ज्यादा समय पहले कही थी ,परन्तु आज भी हम मांसाहारी पौधों को देखकर अंचभित हुए बिना नहीं रहते। आमतौर पर मांसाहारी पौधे ऐसी मिट्टी में उगते है जिसकी प्रकृति अम्लीय अथवा दलदली होती है। इस तरह की मिटटी में नाइटोजन की मात्रा बहुत कम होती है, और इस कमी को पूरा करने के लिये ये पौधे कीटों को पकडकर उनके शरीर से मुख्यतः नाइटोजन प्राप्त करते है। मांसाहारी पौधों की लगभग **750** प्रजातियां पाई जाती है। जिनमें से लगभग **40** प्रजातियां भारत में पायी जाती है,उत्तराखण्ड राज्य में मुख्यतः 5 प्रजातियां पेंग्युकूला अल्पाइना, ड्रोसेरा पेलटेटा, यूट्रीकूलेरिया की प्रजातियां तुंगनाथ, रूद्रनाथ, मण्डल, नन्दादेवी बायोस्फेयर रिजर्व, रालम वैली , थलकेदार (पिथौरागढ) क्षेत्रों में पायी जाती है।

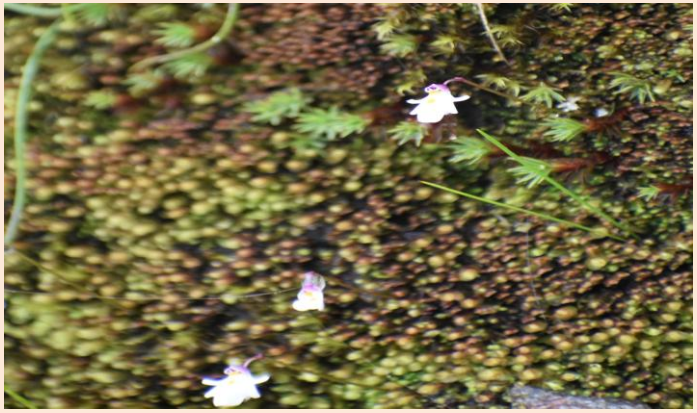

Scientific Name –*Utricularia brachiata*

Family - Lentibulariaceae

Common Name - Bladderwort

Altitude - 3300m.above

Status - Rare

Scientific Name –*Utricularia striatula*

Family - Lentibulariaceae

Common Name - Striped bladderwort

Altitude - 400 - 3600m.

Status - Least concern

Scientific Name –*Utricularia scandens*

Family - Lentibulariaceae

Common Name -Non

Altitude - Up to 2300m.

Status - Least concern

Scientific Name – *Drosera peltata*

Family - Droseraceae

Common Name -Mukhjali

Altitude - 1200 - 3700m.

Status - Least concern

उपयोग

ड्रोसेरा पादप का प्रयोग रक्त टॉनिक और कार्मिनेटिव में किया जाता है। इसे भारत में स्वर्ण भस्म बनाने में प्रयोग किया जाता है, जो कि एंटीसेप्टिक और टॉनिक है। इसके पत्तों का प्रयोग नमक सहित या नमक के बिना मुँह के छालों में इस्तेमाल किया जाता है।

TRAPING ORGANS OF INSECTIVOROUS PLANT

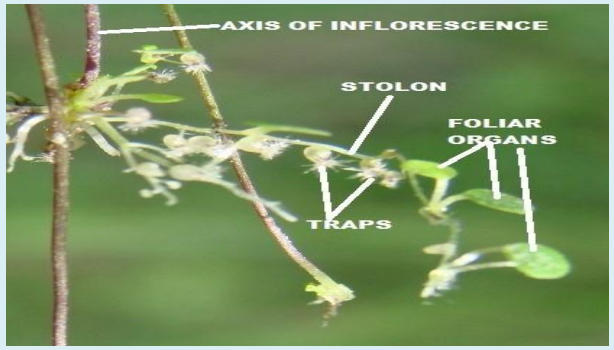

Utricularia striatula.

Drosera peltata

Pinguicula alpine

परियोजना का उददेश्य

- उत्तराखण्ड राज्य में कीटभक्षी पादपों के प्राकृतिक वितरण का अध्ययन करना ।
- कीट भक्षी पादपों में विद्यमान औषधीय गुणों का अध्ययन करना।
- कीटभक्षी पौधों के लिए उचित संरक्षण की रणनीति तैयार करना ।
- कीटभक्षी पौधों के प्रति जनमानस में जागरूकता पैदा करना।

स्थल (Location)

मण्डल पौधालय उत्तराखण्ड राज्य के चमोली जिले मे ंस्थित है। यह पौधालय समुद्रतल से 1750 मी0 की ऊँचाई पर स्थित है। जिसकी अंक्षाशीय व देशान्तरीय स्थिति क्रमशः है।

N - 30°27.879'

E -079°15.790'

कीटभक्षी पादप

मण्डल पौधालय,वन अनुसंधान रेंज गोपेश्वर (चमोली)

वन वर्धनिक उत्तराखण्ड,नैनीताल

Silviculturist, Hill Region, Uttarakhand Nainital

(Fairyhall, Tallital, Nainital) 236002

Phone / Fax: (05942)- 236270

e- mail:silvahill_uta@hotmail.com